



सृजनी

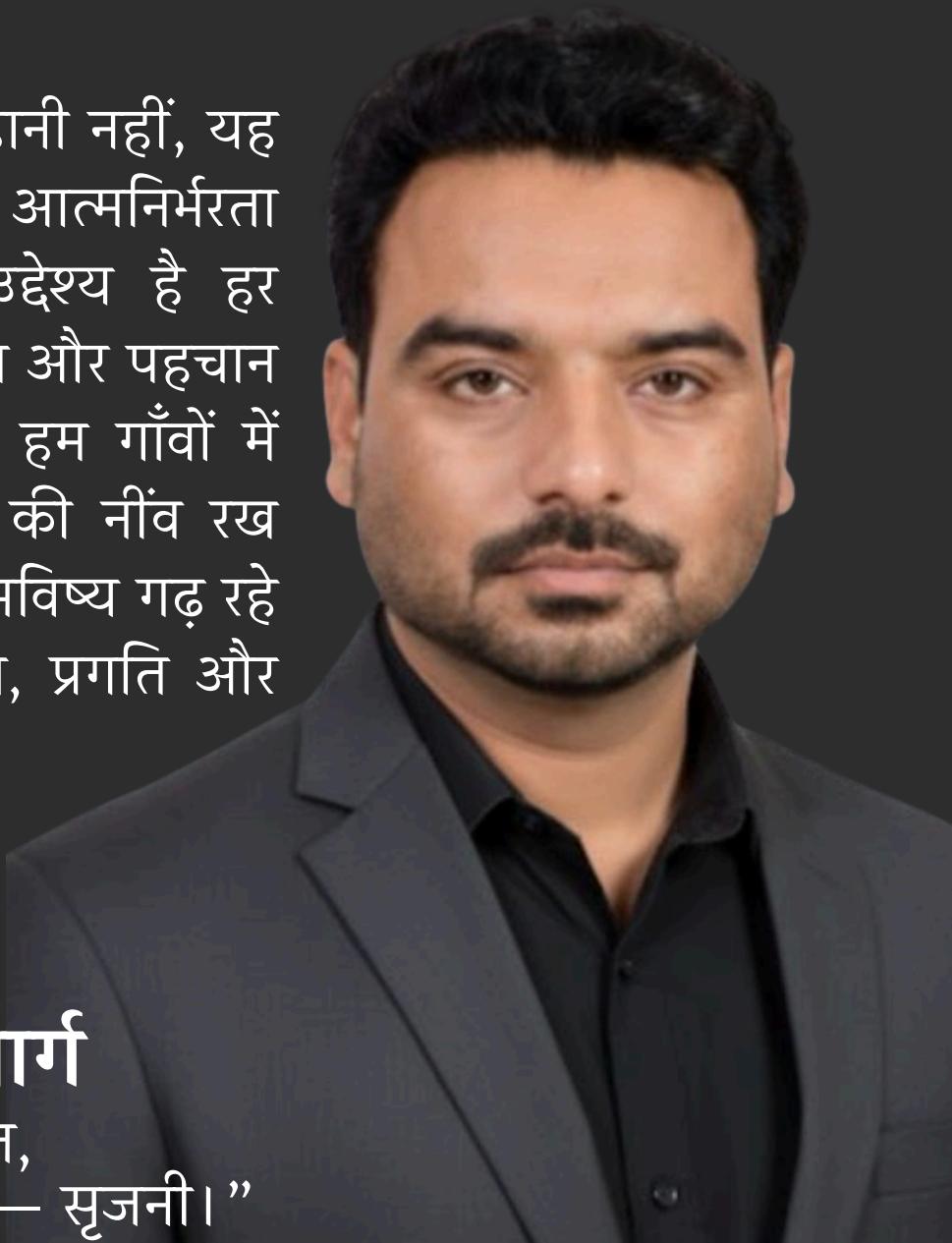
मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड



हमारी शक्ति, हमारी सृजनी

CE'S ADDRESS

“सृजनी सिर्फ दूध की कहानी नहीं, यह महिलाओं की शक्ति और आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। हमारा उद्देश्य है हर महिला को अवसर, सम्मान और पहचान दिलाना। सृजनी के साथ हम गाँवों में आत्मविश्वास और समृद्धि की नींव रख रहे हैं। हम मिलकर ऐसा भविष्य गढ़ रहे हैं जहाँ हर घर में सम्मान, प्रगति और गर्व बसे।”



सफलता का मार्ग
महिला शक्ति से सृजित,
आत्मनिर्भरता से प्रेरित — सृजनी।”

MR. LAKHVINDER SINGH
-CEO, Srijanee MPO



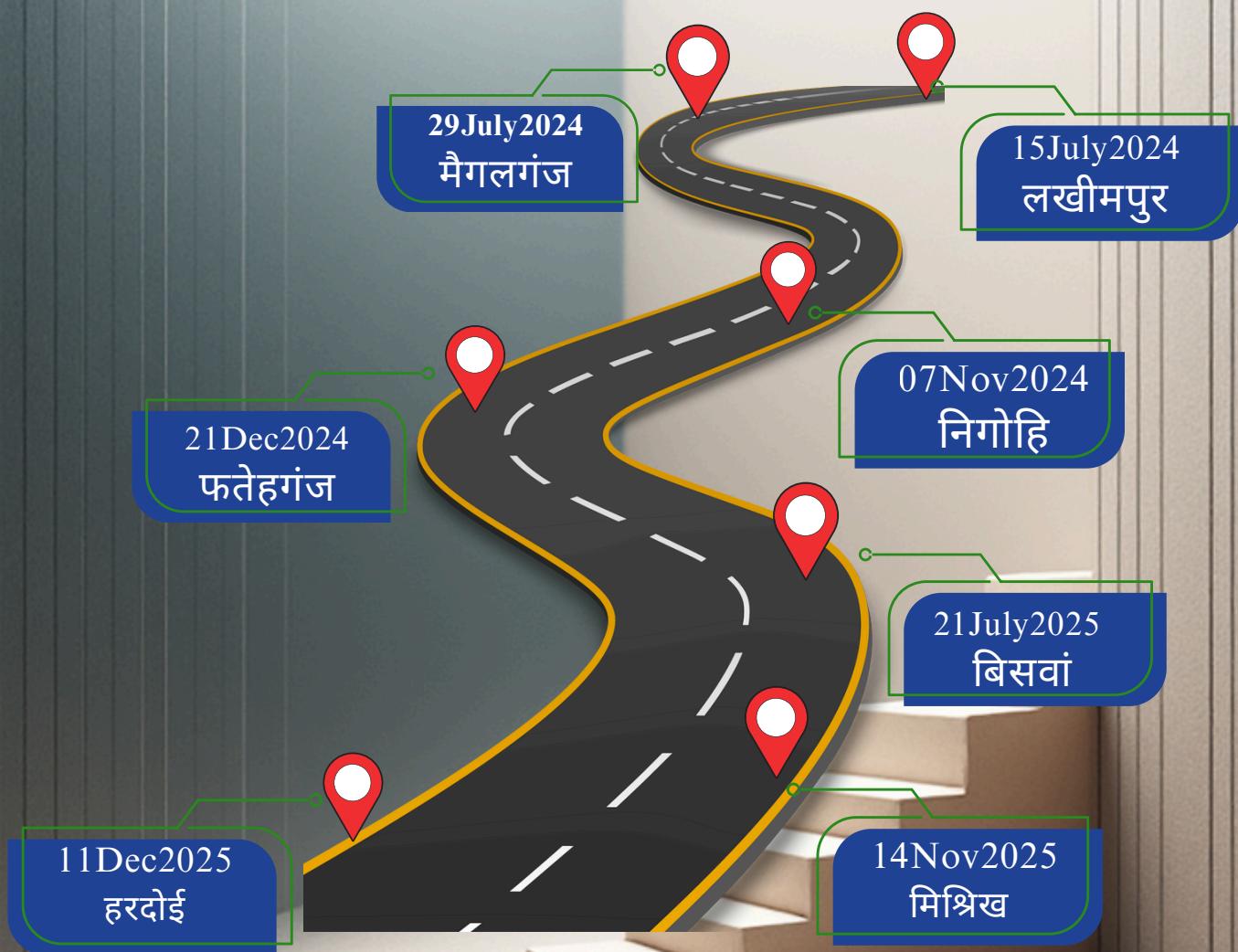
सृजनी मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड

“कंपनी अधिनियम, 2013 के अंतर्गत स्थापित ‘सृजनी मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड’ ग्रामीण महिलाओं को सामूहिक डेयरी उद्यम के माध्यम से सशक्त बनाने की एक दूरदर्शी पहल है। 5 जनवरी 2023 को पंजीकृत और 15 जुलाई 2024 से संचालित यह कंपनी, उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (UPSRLM) – ‘प्रेरणा’ से प्राप्त प्रारंभिक वित्तीय सहयोग तथा एनडीडीबी डेयरी सर्विसेज़ (NDS) के तकनीकी मार्गदर्शन के साथ विकसित की गई है।”



“सृजनी निगोहि, बिसवां, लखीमपुर, फतेहगंज, मिश्रिख, हरदोई और मैगलगंज में आधुनिक दुग्ध शीतलन एवं संग्रहण केंद्र संचालित करती है, जिससे इसकी मूल्य श्रृंखला के प्रत्येक स्तर पर गुणवत्ता, पारदर्शिता और सशक्तिकरण सुनिश्चित होता है।”

रोडमैप (बीएमसी/एमसीसी विस्तार)



सृजनी के ध्येय, दीर्घ दृष्टि एवं मूल्य

- 1. संस्था हित सर्वोपरि
- 2. ईमानदारी एवं पारदर्शिता
- 3. समयबद्धता एवं अनुशासन
- 4. गुणवत्ता एवं नवाचार
- 5. परस्पर सहयोग एवं आदर

सृजनी दूध उत्पादक संस्था अपने सदस्यों को उनके उत्पाद का उचित मूल्य एवं गुणवत्ता पूर्ण सेवाएँ प्रदान कर, उनके सतत विकास एवं सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है।

सृजनी दूध उत्पादक संस्था उत्तर प्रदेश में उत्पादक किसान स्वामित्व वाली सबसे विश्वसनीय और अग्रणी संस्था बनेगी।

“आज मैं सृजनी की सदस्य होकर गर्व महसूस करती हूँ – यहाँ हर महिला अपनी मेहनत से कंपनी और समाज दोनों को नई ऊँचाइयों पर ले जा रही है।”



MISSION
ध्येय

VISION
दीर्घ दृष्टि

VALUES
मूल्य

एमसीसी उद्घाटन समारोह

श्री मीनेश शाह एवं
श्रीमती अल्का उपाध्याय
द्वारा एम.सी.सी. का
उद्घाटन



एक सफर, एक पहचान — आपकी ज़ुबानी

“

गुडिया देवी

MPP CODE-002104

“सृजनी के संग काम करब हमका
गर्व लागे — इहाँ हर अउरत
बदलाव के निसान बन गइल बा।”

”

अब मैं सिर्फ दूध नहीं, अपनी मेहनत
की पहचान देती हूँ।

आज जो पैसा आता है, उसकी वजह
से अब हमें अपने पतियों से माँगना
नहीं पड़ता।

हम महिलाएँ अब आत्मनिर्भर हैं —
सृजनी ने हमें ये हिम्मत दी है।

“

“सृजनी ने हमें सिखाया कि औरत की
मेहनत ही उसकी सबसे बड़ी ताकत है।”

”



सशक्त महिला की मिसाल !



कोलहौरी की गुडिया देवी ने अपनी डेयरी यात्रा सिर्फ एक भैंस से शुरू की थी, और आज उनके पास दो गायें और चार भैंसें हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने कभी हार नहीं मानी और सृजनी से जुड़कर अपनी मेहनत को नई दिशा दी। पहले उनके क्षेत्र में दूध का रेट केवल ₹25–30 प्रति लीटर था, लेकिन सृजनी के आने के बाद किसानों को उचित और स्थिर मूल्य मिलने लगा। लगातार मेहनत और लगन से गुडिया देवी अब रोज़ दर्जनों लीटर दूध सृजनी को सप्लाई करती हैं। कंपनी से जुड़ने के बाद उन्हें न केवल बेहतर दाम मिले, बल्कि पशुपालन का प्रशिक्षण और आत्मनिर्भर बनने का आत्मविश्वास भी हासिल हुआ। मुस्कुराते हुए वह कहती हैं — “अब जो पैसा आता है, उसकी वजह से हमें अपने पतियों से माँगना नहीं पड़ता।”

उनकी कहानी सिर्फ व्यक्तिगत सफलता की नहीं, बल्कि महिला सशक्तिकरण और परिवर्तन की सच्ची मिसाल है। गुडिया देवी ने दिखाया है कि अगर अवसर मिले, तो गाँव की महिलाएँ भी बदलाव की अगुआ बन सकती हैं। उनका योगदान न केवल सृजनी की प्रगति में महत्वपूर्ण है, बल्कि समाज में आत्मनिर्भरता और सम्मान की नई राह भी खोल रहा है।



डोलची वितरण

स्वच्छ दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए 10,000 डोलची
का सफल वितरण किया गया।

साइलेज वितरण

150 एम.टी. साइलेज का सफल वितरण, पशुओं के पोषण
और दुग्ध उत्पादन की निरंतरता को मजबूत करता है।



सफलता की धारा



महिलाओं की मेहनत से बहती है
समृद्धि की धार,
हर बूँद में झलकता है आत्मविश्वास
का आकार,
गाँव-गाँव उभरता है आत्मनिर्भरता
का आधार।



संगीत, समृद्धि और सहयोग की धुन

गाँव की चौपाल पर शाम ढलते ही महिलाएँ दूध ढुलाई के बाद चाय, नाश्ता और मीठी हँसी के साथ जुटती हैं। सृजनी का गीत उनकी थकान हर लेता है, और बातचीत में दाम, चारा, पशु-स्वास्थ्य जैसे मुद्दे सहज ही घुल जाते हैं। हर ढकेली दूध के साथ बढ़ता आत्मविश्वास, बच्चों की पढ़ाई और घर की स्थिर आय—यही सामूहिक प्रयास आज सृजनी की सफलता का असली संगीत है।

घर पर पशु चिकित्सा सेवा

जहाँ ज़रूरत, वहीं पशु चिकित्सा



25 सितंबर 2025 से घर-घर पशु चिकित्सा सेवा शुरू हो चुकी है। अब पशुओं का उपचार, टीकाकरण और स्वास्थ्य देखभाल सुविधाएँ सीधे आपके द्वार पर उपलब्ध हैं।



विशेषज्ञ डॉक्टर अब आपके द्वार पर उपलब्ध—पशु चिकित्सा आसान।



पशु चिकित्सा वैन के लाभ:

- पशु को अस्पताल ले जाने की परेशानी से छुटकारा।
- समय पर उपचार से पशु की तेजी से रिकवरी और बेहतर उत्पादन।
- टीकाकरण, परामर्श और स्वास्थ्य जांच घर पर ही उपलब्ध।



सर्दियों में डेयरी पशुओं की स्मार्ट देखभाल

ठंड के मौसम में उत्पादन और स्वास्थ्य की सुरक्षा

सर्दियों के आगमन के साथ तापमान में भारी गिरावट डेयरी पशुओं की सेहत और उत्पादकता को प्रभावित कर सकती है। ठंड के कारण पशु अपने शरीर को गर्म रखने में अधिक ऊर्जा खर्च करते हैं, जिससे दूध उत्पादन, प्रतिरक्षा क्षमता और प्रजनन दक्षता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

इस मौसम में बेहतर प्रबंधन के लिए तीन मुख्य स्तंभ बहुत महत्वपूर्ण हैं:

- » उच्च ऊर्जा व पोषक आहार
- » गर्म, सूखी और हवादार शेड व्यवस्था
- » स्वास्थ्य एवं व्यवहार की नियमित निगरानी

सही देखभाल और प्रबंधन के साथ सर्दी को चुनौती नहीं, एक अवसर बनाया जा सकता है – जिससे पशुओं की सेहत सुरक्षित रहे, दूध उत्पादन स्थिर रहे और डेयरी व्यवसाय की लाभप्रदता बनी रहे।

निष्कर्ष

“शीतकाल में यदि पशुओं को गरम, सूखा और पौष्टिक वातावरण दिया जाए, तो वे न केवल स्वस्थ रहते हैं बल्कि दूध उत्पादन और वृद्धि में भी सुधार होता है। उचित शीतकालीन प्रबंधन से पशुपालक को अधिक लाभ प्राप्त होता है।”

1. पशु आवास का प्रबंधन गरम व सूखा बिछावन (Bedding)

पशुओं को ठंड से बचाने के लिए सूखा और गरम बिछावन जैसे भूसा, सूखी पत्तियाँ, या फूस बिछाना चाहिए। हवादार परंतु बंद शेड: पशुशाला में हवा का आवागमन बना रहे, परंतु ठंडी हवाएँ सीधे पशुओं पर न पड़ें। रात्रि में तिरपाल या बोरी का परदा: शेड के खुलने वाले हिस्सों को बोरी या तिरपाल से ढक दें।

2. आहार एवं पोषण प्रबंधन

ठंड में पशुओं की ऊर्जा आवश्यकता बढ़ जाती है, इसलिए ऊर्जायुक्त आहार दें। दानेदार चारा (कुट्टी, भूसा) के साथ हरी चारा (बरसीम, जई, लूसर्न) देना लाभकारी है। गुनगुना पानी पिलाएँ, क्योंकि ठंडा पानी पीने से पशु पानी कम पीते हैं और दूध उत्पादन घटता है। आहार में खनिज मिश्रण और विटामिन ‘ए’, ‘डी’, ‘ई’ शामिल करें।

3. स्वास्थ्य प्रबंधन

ठंड के मौसम में न्यूमोनिया, खाँसी-जुकाम, फुट-रोट जैसी बीमारियाँ सामान्य होती हैं। पशुशाला को रोज़ साफ रखें और नमी न रहने दें। टीकाकरण और कृमिनाशक दवा का नियमित कार्यक्रम जारी रखें बछड़ों को विशेष सुरक्षा दें; उनके लिए छोटा गरम कोना (कैल्फ पेन) बनाएँ।

4. दूध देने वाले पशुओं की देखभाल

ठंड के समय दूध दुहने से पहले थनों को गुनगुने पानी से धोएँ। दुहने के बाद थनों को साफ कर थन मलहम (Udder cream) लगाएँ ताकि दरारें न पड़ें।

5. अन्य सावधानियाँ

सुबह जल्दी या देर शाम चराई पर न ले जाएँ। बरसात या ओस के समय पशुओं को खुले में न रखें। नियमित व्यायाम (थोड़ा टहलाना) कराएँ ताकि रक्त संचार सही बना रहे।

संपर्क करें-सृजनी पशु चिकित्सक

बिसवां, मैगलगंज - डॉ. विनोद(7217072313)

लखीमपुर, मिश्रिख - डॉ. संदीप(8459448229)

फतेहगंज, निगोहि, हरदोई- डॉ. खेमेन्द्र(7906901740)



थनों का स्वास्थ्य —

डेयरी सफलता का आधार थनैला

तेल आधारित अनुप्रयोग

सामग्री: (एक खुराक के लिए)

एक दिन की दवा के लिए: घृतकुमारी (साबुत पत्ती) - 250 ग्राम, हल्दी पाउडर - 50 ग्राम, चूना - 15 ग्राम, नींबू - 6 नग, सरसों/तिल का तेल - 600 मिली



ग्वारपाठा/घृतकुमारी



नींबू



चूना



हल्दी पाउडर



सरसों/तिल का तेल



तैयार करने की विधि

- घृतकुमारी की पत्तियों के कांटे हटाने के बाद इनको छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें।
- हल्दी पाउडर और चूने के साथ इसे अच्छे से पीसकर लाल रंग का पेस्ट बना लें।

प्रयोग की विधि

- पशु के सभी थनों (स्वस्थ थन को भी) को पूरी तरह से धोकर, साफ धोकर सुखा लें।
- एक मुट्ठी हल्दी-चूना-घृतकुमारी पेस्ट में 200 मिली सरसों या तिल का तेल मिलाकर इसे पतला कर लें।
- तेल में घोले गए इस पेस्ट को दिन में 3 बार 5 दिनों के लिए पशु के थन पर लगाएं एवं ध्यान रखें कि हर बार प्रयोग की विधि की चरण (i) पालन करें।
- एक बार में दो नींबू खिलाएं (दो हिस्सों में कटा हुआ), यह प्रयोग दिन में तीन बार 3 दिनों के लिए करें।

थनैला जाँच सुविधा

कैलिफोर्निया मैस्टाइटिस टेस्ट (सी.एम.टी.) एक सटीक परीक्षण है, जिससे पशुओं में थनैला रोग की जाँच की जाती है। थनैला से ग्रसित पशु के दुध में खून, पीप, थक्कापन होने लगता है एवं पशु का थन गर्म और कड़ा हो जाता है। इस जाँच द्वारा शुरूआत में ही रोग का पता लगाया जा सकता है। सृजनी द्वारा यह जाँच सदस्यों के लिए उपलब्ध है।

थनैला जाँच के फायदे

- समय से पूर्व थनैला रोग का पता चलना।
- समय से रोग का उपचार।
- थनैला से होने वाले आर्थिक व्यय से निदान।



थनैला का उपचार

- परंपरागत उपचार विधि (EVM) द्वारा
- ट्राईसोडियम सिट्रेट (TSC) पाउडर का इस्तेमाल





सृजनी मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड

हमारी शक्ति, हमारी सृजनी



info@srijaneemilk.com

srijanee.mpc@gmail.com

सदस्य बनने के लिए संपर्क करे



7217072333

निगोही

बिसवां

लखीमपुर

फतेहगंज

मिश्रिख

हरदोई

मेगलगंज

